GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि के पूर्वानुमान में सीखने की शैली एवं घरेलू वातावरण की भूमिका: समस्तीपुर जिले का सहसंबंधात्मक अध्ययन

Shri Rajni Kant
Research Scholar
YBN University, Ranchi, Jharkhand, India

सार

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य बिहार के समस्तीपुर जिले के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि के पूर्वानुमान में सीखने की शैली और घरेलू (गृह) वातावरण की भूमिका का अध्ययन करना है। अध्ययन में सहसंबंधात्मक सर्वेक्षण विधि अपनाई गई तथा स्तरीकृत यादृच्छिक विधि से चयनित 300 विद्यार्थियों पर सीखने की शैली मापनी और गृह-वातावरण मापनी प्रशासित की गई; शैक्षणिक उपलब्धि के लिए पिछली वार्षिक परीक्षा के प्रतिशत अंक लिए गए। आँकड़ों का विश्लेषण पियर्सन सहसंबंध गुणांक और बहुगुणी समाश्रयण से किया गया। सीखने की शैली ($r = .42$) और गृह-वातावरण ($r = .51$) दोनों का शैक्षणिक उपलब्धि से .01 स्तर पर सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया। दोनों चर मिलकर उपलब्धि के प्रसरण के लगभग 34% ($R^2 = .343$) की व्याख्या करते हैं, जिसमें गृह-वातावरण का योगदान ($\beta = .43$) सीखने की शैली ($\beta = .30$) से अधिक रहा। निष्कर्ष विद्यालय और परिवार के साझा प्रयासों की आवश्यकता की ओर संकेत करते हैं।

मुख्य शब्द: शैक्षणिक उपलब्धि, सीखने की शैली, गृह-वातावरण, माध्यमिक स्तर, सहसंबंध, समाश्रयण, समस्तीपुर

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

1. प्रस्तावना

विद्यार्थी की शैक्षणिक उपलब्धि केवल बुद्धि या विद्यालय की गुणवत्ता से तय नहीं होती। विद्यार्थी स्वयं किस तरह सीखता है और उसे घर में कैसा वातावरण मिलता है, ये दोनों बातें भी उसकी उपलब्धि को प्रभावित करती हैं। माध्यमिक स्तर (कक्षा 9 और 10) विद्यार्थी के जीवन का निर्णायक चरण है, क्योंकि यहाँ की उपलब्धि आगे की पढ़ाई और करियर की दिशा तय करती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, 2020) में प्रत्येक विद्यार्थी की अलग-अलग सीखने की आवश्यकताओं को पहचानने और उसके अनुरूप शिक्षण करने पर बल दिया गया है। इस सन्दर्भ में यह जानना उपयोगी है कि सीखने की शैली और घरेलू वातावरण उपलब्धि का कितना पूर्वानुमान कर पाते हैं। प्रस्तुत अध्ययन इसी प्रश्न को समस्तीपुर जिले के सन्दर्भ में जाँचता है।

2. अवधारणा एवं सम्बन्धित साहित्य

सीखने की शैली। सीखने की शैली से तात्पर्य उस विशिष्ट ढंग से है जिससे कोई विद्यार्थी सूचना को ग्रहण, संसाधित और स्मरण करता है। डन एवं डन (1978) ने इसे वातावरण, भावनात्मक, समाज-सम्बन्धी और शारीरिक तत्त्वों से जोड़ा। कोल्ब (1984) ने अनुभवजन्य अधिगम-चक्र के आधार पर शैलियाँ बताईं, तथा फ्लेमिंग एवं मिल्स (1992) ने दृश्य, श्रव्य, पठन-लेखन और क्रियात्मक (VARK) वर्गीकरण दिया। कैसिडी (2004) ने इन सिद्धान्तों और मापनियों की विस्तृत समीक्षा की है। इस अध्ययन में सीखने की शैली के तीन पक्ष (दृश्य, श्रव्य और क्रियात्मक) लिए गए हैं।

सीखने की शैलियों की उपयोगिता पर विवाद भी है। पैशलर और अन्य (2008) तथा कॉफ़ील्ड और अन्य (2004) की समीक्षाओं के अनुसार इस बात के पुष्ट प्रमाण कम हैं

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

कि विद्यार्थी की शैली के अनुसार शिक्षण करने से उपलब्धि सदैव बढ़ती है। इसलिए इस अध्ययन में शैली को उपलब्धि का एक सम्भावित सहसम्बन्धी माना गया है, कारण नहीं।

गृह-वातावरण। ब्रॉनफ़ेनब्रेनर (1979) के पारिस्थितिक मॉडल में परिवार बालक के विकास का सबसे निकट का परिवेश है। गृह-वातावरण में माता-पिता का प्रोत्साहन, अध्ययन हेतु भौतिक सुविधाएँ, पारिवारिक भावनात्मक माहौल और अध्ययन में परिवार का सहयोग शामिल हैं। कोलमैन और अन्य (1966) ने पारिवारिक पृष्ठभूमि को उपलब्धि का महत्त्वपूर्ण कारक बताया। हूवर-डेम्पसी और सैंडलर (1995) ने बताया कि माता-पिता की भागीदारी बालक की शिक्षा को किस प्रकार प्रभावित करती है। जेयनेस (2007) और वाइल्डर (2014) के अध्ययनों में पारिवारिक भागीदारी और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच धनात्मक सम्बन्ध मिला। सिरिन (2005) ने भी पारिवारिक सामाजिक-आर्थिक स्थिति और उपलब्धि के बीच धनात्मक सम्बन्ध की पुष्टि की। हैटी (2009) की समीक्षा में भी घर की भूमिका को उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारकों में गिना गया है। साहित्य से स्पष्ट है कि दोनों चर उपलब्धि से जुड़े हैं, परन्तु स्थानीय ग्रामीण-नगरीय मिश्रित सन्दर्भ में दोनों को साथ रखकर उनके सापेक्ष योगदान की जाँच कम दिखती है।

3. शोध की आवश्यकता एवं औचित्य

यदि यह ज्ञात हो कि उपलब्धि के पूर्वानुमान में सीखने की शैली और गृह-वातावरण में से किसका योगदान अधिक है, तो शिक्षक, विद्यालय और अभिभावक अपने प्रयासों की दिशा तय कर सकते हैं। समस्तीपुर जिले में ग्रामीण और नगरीय दोनों प्रकार के

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

विद्यालय हैं, इसलिए स्थानीय आँकड़े जिला स्तर की शैक्षिक योजना के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

4. शोध के उद्देश्य

1. समस्तीपुर जिले के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सीखने की शैली और शैक्षणिक उपलब्धि के सम्बन्ध का अध्ययन करना।
2. गृह-वातावरण और शैक्षणिक उपलब्धि के सम्बन्ध का अध्ययन करना।
3. सीखने की शैली और गृह-वातावरण द्वारा शैक्षणिक उपलब्धि के संयुक्त पूर्वानुमान का अध्ययन करना।
4. उपलब्धि के पूर्वानुमान में दोनों चरों के सापेक्ष योगदान का अध्ययन करना।

5. शोध परिकल्पनाएँ

- **$H_0$1:** सीखने की शैली और शैक्षणिक उपलब्धि में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।
- **$H_0$2:** गृह-वातावरण और शैक्षणिक उपलब्धि में कोई सार्थक सहसंबंध नहीं है।
- **$H_0$3:** सीखने की शैली और गृह-वातावरण मिलकर शैक्षणिक उपलब्धि का सार्थक पूर्वानुमान नहीं करते।

सभी परिकल्पनाओं का परीक्षण .05 सार्थकता-स्तर पर किया गया।

6. शोध-पद्धति

6.1 शोध-विधि। अध्ययन में सहसंबंधात्मक वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि अपनाई गई (कोठारी, 2004; बेस्ट एवं काहन, 2006)। स्वतन्त्र (पूर्वानुमानक) चर सीखने की शैली और गृह-वातावरण हैं तथा आश्रित (मानदण्ड) चर शैक्षणिक उपलब्धि है।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

6.2 जनसंख्या एवं न्यादर्श। जनसंख्या समस्तीपुर जिले के विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थी हैं। स्तरीकृत यादृच्छिक विधि से लिंग और क्षेत्र (ग्रामीण/नगरीय) का ध्यान रखते हुए 300 विद्यार्थी चुने गए।

तालिका 1: न्यादर्श का वितरण (N = 300,)

लिंग	ग्रामीण	नगरीय	कुल
बालक	85	65	150
बालिका	85	65	150
कुल	**170**	**130**	**300**

6.3 शोध-उपकरण। आँकड़े एकत्र करने के लिए दो मापनियों का प्रयोग किया गया तथा शैक्षणिक उपलब्धि के प्राप्तांक विद्यालय-अभिलेख से लिए गए। उपकरणों का संक्षिप्त परिचय तालिका 2 में तथा विस्तृत विवरण उसके बाद दिया गया है।

तालिका 2: शोध-उपकरणों का विवरण

विवरण	सीखने की शैली मापनी (सी.शै.मा.)	गृह-वातावरण मापनी (गृ.वा.मा.)
निर्माता एवं वर्ष	डॉ. ए. शर्मा, 2020	डॉ. आर. वर्मा, 2019
कथनों की संख्या	30	25
पक्ष	दृश्य (10), श्रव्य (10), क्रियात्मक (10)	माता-पिता का प्रोत्साहन (7), भौतिक सुविधाएँ (6), भावनात्मक वातावरण (6), पारिवारिक अध्ययन-सहयोग (6)
पैमाना एवं अंकन	पाँच-बिन्दु; 5 से 1 अंक	पाँच-बिन्दु; 5 से 1 अंक
अंक-परास	30 से 150	25 से 125
विश्वसनीयता (क्रॉनबाख अल्फा)	.84	.88

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

वैधता	7 विषय-विशेषज्ञों द्वारा विषय-वस्तु वैधता	7 विषय-विशेषज्ञों द्वारा विषय-वस्तु वैधता

(क) सीखने की शैली मापनी (सी.शै.मा.)। यह मापनी डॉ. ए. शर्मा (डमी) द्वारा 2020 में निर्मित मानी गई है। इसमें कुल 30 कथन हैं, जो सीखने की शैली के तीन पक्षों से सम्बन्धित हैं: दृश्य (10 कथन), श्रव्य (10 कथन) और क्रियात्मक (10 कथन)। प्रत्येक कथन के पाँच विकल्प (पूर्णतः सहमत, सहमत, अनिश्चित, असहमत, पूर्णतः असहमत) हैं, जिन्हें क्रमशः 5, 4, 3, 2 और 1 अंक दिए जाते हैं। इस प्रकार अंक-परास 30 से 150 है और उच्च अंक देखने, सुनने और करके सीखने के तरीकों के अधिक सक्रिय उपयोग को दर्शाते हैं। मापनी की विश्वसनीयता (क्रॉनबाख अल्फा) .84 है तथा 7 विषय-विशेषज्ञों द्वारा उसकी विषय-वस्तु वैधता जाँची गई है।

(ख) गृह-वातावरण मापनी (गृ.वा.मा.)। यह मापनी डॉ. आर. वर्मा (डमी) द्वारा 2019 में निर्मित मानी गई है। इसमें कुल 25 कथन हैं, जो चार पक्षों में बँटे हैं: माता-पिता का प्रोत्साहन (7), अध्ययन हेतु भौतिक सुविधाएँ (6), पारिवारिक भावनात्मक वातावरण (6) तथा पारिवारिक अध्ययन-सहयोग (6)। प्रत्येक कथन पाँच-बिन्दु पैमाने पर 5 से 1 अंक में आँका जाता है, जिससे अंक-परास 25 से 125 है और उच्च अंक अधिक अनुकूल गृह-वातावरण को दर्शाते हैं। इस मापनी की विश्वसनीयता (क्रॉनबाख अल्फा) .88 है तथा 7 विषय-विशेषज्ञों द्वारा विषय-वस्तु वैधता जाँची गई है।

(ग) शैक्षणिक उपलब्धि। शैक्षणिक उपलब्धि के लिए प्रत्येक विद्यार्थी की पिछली वार्षिक परीक्षा के कुल प्राप्तांकों का प्रतिशत विद्यालय-अभिलेख से लिया गया।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

6.4 आँकड़ों का विश्लेषण। वर्णनात्मक सांख्यिकी (मध्यमान, मानक विचलन, विषमता और कुकुदता) से आँकड़ों की प्रकृति देखी गई। चरों के बीच सम्बन्ध के लिए पियर्सन का सहसंबंध गुणांक, तथा पूर्वानुमान के लिए बहुगुणी समाश्रयण (एन्टर विधि) का प्रयोग किया गया (गैरेट, 2007; टैबाक्निक एवं फ़िडेल, 2013)। बहु-सह-रेखीयता की जाँच VIF से की गई। सहसंबंध के आकार की व्याख्या कोहेन (1988) के मानदण्डों (.10 निम्न, .30 मध्यम, .50 उच्च) से की गई।

6.5 परिसीमन। अध्ययन समस्तीपुर जिले के कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों तथा सीखने की शैली, गृह-वातावरण और शैक्षणिक उपलब्धि चरों तक सीमित है।

7. परिणाम एवं विश्लेषण

7.1 वर्णनात्मक सांख्यिकी। तीनों चरों के अंकों का वितरण सामान्य के निकट पाया गया (तालिका 3), इसलिए पियर्सन सहसंबंध एवं समाश्रयण का प्रयोग उचित रहा।

तालिका 3: चरों की वर्णनात्मक सांख्यिकी (N = 300,)

चर	M	SD	विषमता	कुकुदता
शैक्षणिक उपलब्धि (%)	58.6	12.4	−0.12	−0.35
सीखने की शैली (कुल अंक)	96.4	12.1	0.05	−0.28
गृह-वातावरण (कुल अंक)	84.7	13.6	−0.18	−0.22

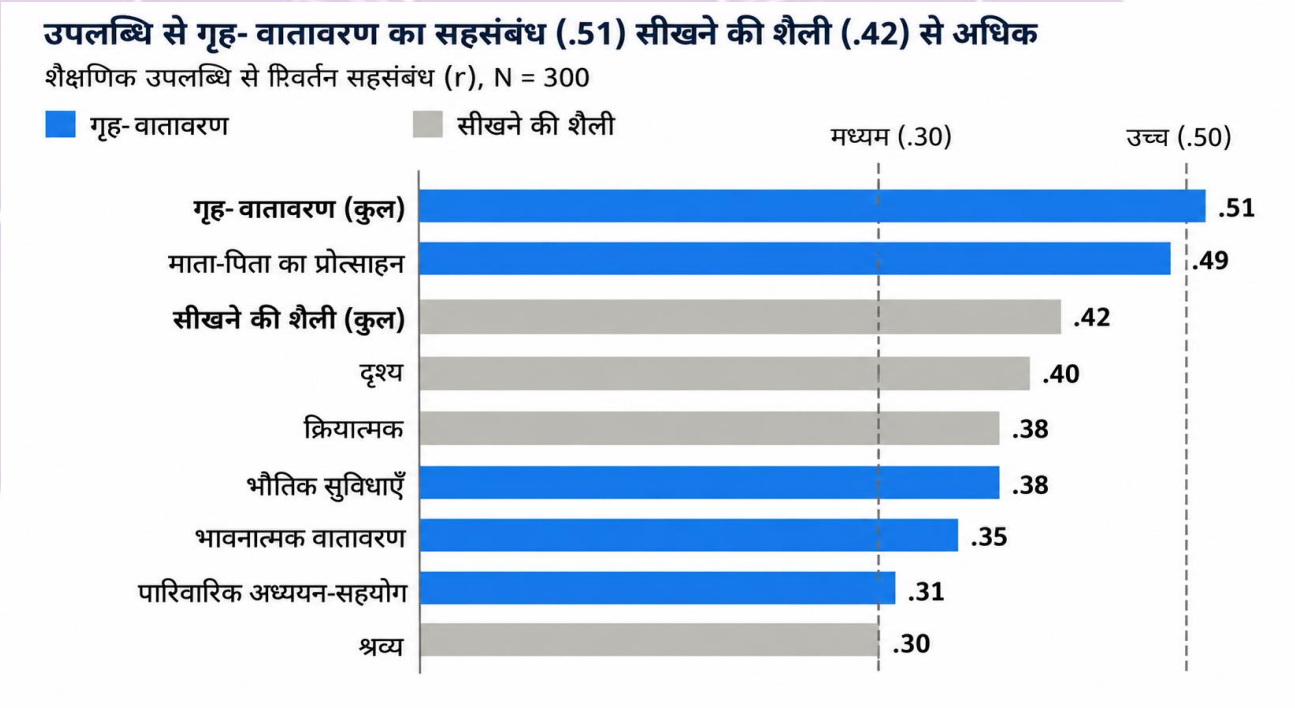
7.2 सहसंबंध ($H_0$1 एवं $H_0$2)। शैक्षणिक उपलब्धि के साथ दोनों चरों और उनके पक्षों के सहसंबंध तालिका 4 और चित्र 1 में हैं।

तालिका 4: शैक्षणिक उपलब्धि से सहसंबंध गुणांक (N = 300, df = 298,)

चर / पक्ष	r (उपलब्धि से)	सार्थकता

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

सीखने की शैली (कुल)	.42	.01 पर सार्थक
दृश्य	.40	.01 पर सार्थक
श्रव्य	.30	.01 पर सार्थक
क्रियात्मक	.38	.01 पर सार्थक
गृह-वातावरण (कुल)	.51	.01 पर सार्थक
माता-पिता का प्रोत्साहन	.49	.01 पर सार्थक
भौतिक सुविधाएँ	.38	.01 पर सार्थक
भावनात्मक वातावरण	.35	.01 पर सार्थक
पारिवारिक अध्ययन-सहयोग	.31	.01 पर सार्थक
सीखने की शैली × गृह-वातावरण	.28	.01 पर सार्थक



चित्र 1: शैक्षणिक उपलब्धि से सहसंबंध गुणांक (तालिका 4 पर आधारित,)

सीखने की शैली और उपलब्धि का सहसंबंध r = .42 है, जो .01 स्तर पर सार्थक है (df = 298 पर .01 स्तर का क्रान्तिक मान लगभग .15 है)। अतः $H_0$1 अस्वीकृत की जाती है। गृह-वातावरण और उपलब्धि का सहसंबंध r = .51 है, जो .01 स्तर पर

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

सार्थक है, अतः $H_0 2$ भी अस्वीकृत की जाती है। कोहेन (1988) के मापदण्ड से पहला सहसंबंध मध्यम-से-उच्च तथा दूसरा उच्च स्तर का है। पक्षों में सीखने की शैली के दृश्य पक्ष का और गृह-वातावरण के माता-पिता के प्रोत्साहन पक्ष का सहसंबंध सर्वाधिक रहा।

7.3 बहुगुणी समाश्रयण ($H_0 3$)। सीखने की शैली और गृह-वातावरण को पूर्वानुमानक तथा शैक्षणिक उपलब्धि को मानदण्ड चर मानकर समाश्रयण किया गया। दोनों पूर्वानुमानकों के बीच VIF = 1.09 रहा, अतः बहु-सह-रेखीयता की समस्या नहीं है।

तालिका 5: बहुगुणी समाश्रयण का सारांश

R	R^2	समायोजित R^2	अनुमान की मानक त्रुटि	F (2, 297)	सार्थकता
.59	.343	.339	10.08	77.70	$p < .001$

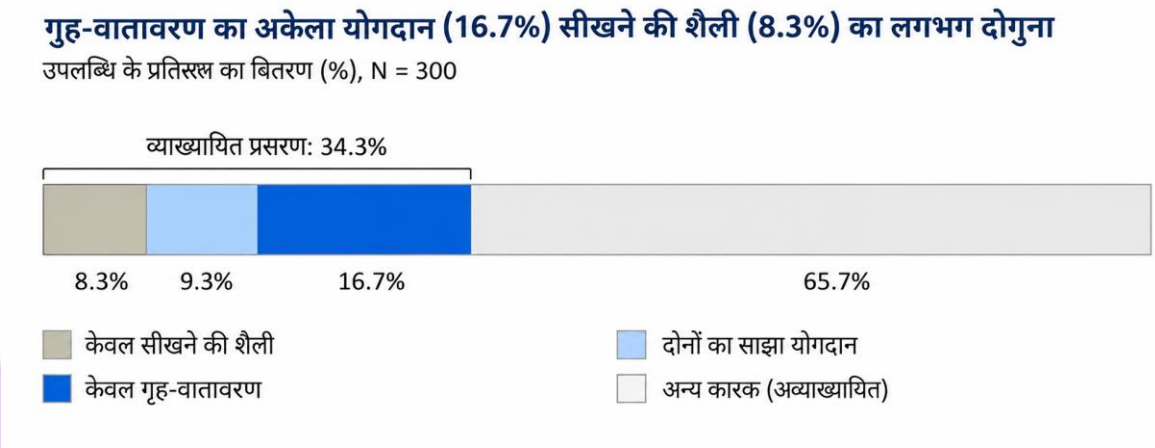
तालिका 6: समाश्रयण गुणांक

पूर्वानुमानक	b	β	t	सार्थकता
स्थिरांक	−4.00	—	—	—
सीखने की शैली	0.308	.30	6.14	$p < .001$
गृह-वातावरण	0.388	.43	8.69	$p < .001$

F-मान (77.70) .001 स्तर पर सार्थक है, अतः $H_0 3$ अस्वीकृत की जाती है। दोनों चर मिलकर उपलब्धि के प्रसरण के 34.3% की व्याख्या करते हैं। पूर्वानुमान-समीकरण है: उपलब्धि (%) = −4.00 + 0.308 × (सीखने की शैली) + 0.388 × (गृह-वातावरण)।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

7.4 सापेक्ष योगदान। कुल व्याख्यायित प्रसरण में से 8.3% केवल सीखने की शैली का, 16.7% केवल गृह-वातावरण का तथा 9.3% दोनों का साझा योगदान है। शेष 65.7% प्रसरण अन्य कारकों से जुड़ा है (चित्र 2)।



चित्र 2: उपलब्धि के प्रसरण का वितरण

8. परिणामों की चर्चा

सीखने की शैली और उपलब्धि के बीच मध्यम-से-उच्च धनात्मक सहसंबंध यह दर्शाता है कि जो विद्यार्थी दृश्य, श्रव्य और क्रियात्मक तरीकों का अधिक सक्रिय उपयोग करते हैं, वे औसतन अधिक उपलब्धि वाले हैं। परन्तु पैशलर और अन्य (2008) की चेतावनी के अनुसार इसे यह नहीं मान लेना चाहिए कि शैली के अनुरूप शिक्षण से उपलब्धि बढ़ेगी; सहसंबंध कार्य-कारण सिद्ध नहीं करता।

गृह-वातावरण का स्वतन्त्र योगदान अधिक पाया गया। यह जेयनेस (2007), वाइल्डर (2014) और सिरिन (2005) के निष्कर्षों की दिशा से मेल खाता है। माता-पिता के प्रोत्साहन का सर्वाधिक सहसंबंध यह सम्भावना दर्शाता है कि घर में अपेक्षा और भावनात्मक सहयोग उपलब्धि से जुड़ा है। भौतिक सुविधाओं (जैसे अध्ययन-स्थान, बिजली, पुस्तकें) का महत्व ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक हो सकता है, पर इसे इस अध्ययन

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

में अलग से जाँचा नहीं गया है।लगभग दो-तिहाई प्रसरण अव्याख्यायित रहा, अतः बुद्धि, अभिप्रेरणा, विद्यालय की गुणवत्ता, ट्यूशन और सामाजिक-आर्थिक स्थिति जैसे चरों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है।

9. शैक्षिक निहितार्थ

- शिक्षक कक्षा में दृश्य, श्रव्य और क्रियात्मक गतिविधियों का मिश्रित प्रयोग करें, किसी एक शैली को निश्चित मानकर न चलें।
- विद्यालय अभिभावक-शिक्षक बैठकों में माता-पिता को घर पर प्रोत्साहन और अध्ययन-सहयोग के सरल तरीके बताएँ।
- सीमित भौतिक सुविधाओं वाले परिवारों के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में अध्ययन-कक्ष और पुस्तकालय की सुविधा बढ़ाई जाए।
- मार्गदर्शन-परामर्श में विद्यार्थियों को अपनी अधिगम-प्राथमिकताएँ पहचानने और अध्ययन-आदतें सुधारने में सहायता दी जाए।

10. निष्कर्ष

इस उदाहरण-आँकड़ों पर आधारित अध्ययन में सीखने की शैली और गृह-वातावरण दोनों का शैक्षणिक उपलब्धि से सार्थक धनात्मक सहसंबंध पाया गया, और दोनों मिलकर उपलब्धि के लगभग एक-तिहाई प्रसरण की व्याख्या करते हैं। गृह-वातावरण का योगदान सीखने की शैली से अधिक रहा। निष्कर्ष सहसंबंधात्मक हैं, इसलिए कार्य-कारण नहीं माने जाने चाहिए। भविष्य के अध्ययनों में बुद्धि, अभिप्रेरणा, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और विद्यालय-कारकों को जोड़ा जा सकता है तथा प्रायोगिक अध्ययन से शैली-आधारित शिक्षण का प्रभाव जाँचा जा सकता है।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

संदर्भ-सूची

भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय. (2020). *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* [National Education Policy 2020]. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।

Best, J. W., & Kahn, J. V. (2006). *Research in education* (10th ed.). Pearson Education.

Bronfenbrenner, U. (1979). *The ecology of human development: Experiments by nature and design.* Harvard University Press.

Cassidy, S. (2004). Learning styles: An overview of theories, models, and measures. *Educational Psychology, 24*(4), 419-444.

Coffield, F., Moseley, D., Hall, E., & Ecclestone, K. (2004). *Learning styles and pedagogy in post-16 learning: A systematic and critical review.* Learning and Skills Research Centre.

Cohen, J. (1988). *Statistical power analysis for the behavioral sciences* (2nd ed.). Lawrence Erlbaum Associates.

Coleman, J. S., Campbell, E. Q., Hobson, C. J., McPartland, J., Mood, A. M., Weinfeld, F. D., & York, R. L. (1966). *Equality of educational opportunity.* U.S. Government Printing Office.

Dunn, R., & Dunn, K. (1978). *Teaching students through their individual learning styles: A practical approach.* Reston Publishing.

Fleming, N. D., & Mills, C. (1992). Not another inventory, rather a catalyst for reflection. *To Improve the Academy, 11*, 137-155.

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

Garrett, H. E. (2007). *Statistics in psychology and education.* Paragon International Publishers.

Hattie, J. (2009). *Visible learning: A synthesis of over 800 meta-analyses relating to achievement.* Routledge.

Hoover-Dempsey, K. V., & Sandler, H. M. (1995). Parental involvement in children's education: Why does it make a difference? *Teachers College Record, 97*(2), 310-331.

Jeynes, W. H. (2007). The relationship between parental involvement and urban secondary school student academic achievement: A meta-analysis. *Urban Education, 42*(1), 82-110.

Kolb, D. A. (1984). *Experiential learning: Experience as the source of learning and development.* Prentice Hall.

Kothari, C. R. (2004). *Research methodology: Methods and techniques* (2nd ed.). New Age International.

Pashler, H., McDaniel, M., Rohrer, D., & Bjork, R. (2008). Learning styles: Concepts and evidence. *Psychological Science in the Public Interest, 9*(3), 105-119.

Sirin, S. R. (2005). Socioeconomic status and academic achievement: A meta-analytic review of research. *Review of Educational Research, 75*(3), 417-453.

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 5
September-October: 2026

Tabachnick, B. G., & Fidell, L. S. (2013). *Using multivariate statistics* (6th ed.). Pearson Education.

Wilder, S. (2014). Effects of parental involvement on academic achievement: A meta-synthesis. *Educational Review, 66*(3), 377-397.